'नई शिक्षा नीति 2020 के फायदे और नुकसान'

***डॉ. मोहम्मद शाहिद जैदी**

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है। यह नीति भारत की परंपराओं और मूल्यों को ध्यान में रखते हुए बनायी गयी है। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में कई अहम बदलाव किए गए हैं जिसका लक्ष्य देश को विश्व स्तरीय और कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करना है।

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) को केंद्रीय कैबिनेट ने 29 जुलाई 2020 को मंजूरी दी थी। यह 34 वर्षों के बाद भारत का सबसे बड़ा शैक्षिक सुधार है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के. कस्तूरीरंगन (K. Kasturirangan) की अध्यक्षता में बनी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 1986 में ड्राफ्ट हुई थी और 1992 में इसमें संशोधन (Update) हुआ था। अब करीब 34 साल बाद, 2020 में इसमें कई अहम व महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। जिसे इसके 108 पेजों के ड्राफ्ट में 21वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति बताया गया है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के विकास के लिए अनिवार्य शिक्षा आवश्यकता को पूरा करने के लिए बनायी गयी है।

आजकल नई शिक्षा नीति के इंटरनेट पर बहुत ही ज्यादा चर्चा है भारत सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति 29 जुलाई 2020 को घोषित की गई है यह हमारी सरकार ने एक नया परिवर्तन किया है. यह नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित है। इस नई शिक्षा प्रणाली की कुछ लोगों ने बहुत तारीफ कि तो कुछ लोगों ने आलोचना भी की है क्योंकि सब का नजरिया अलग अलग होता है। इस लेख के माध्यम से आपको नई शिक्षा नीति के बारे में पूरी जानकारी बताने की कोशिश करेंगे ।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 को आरंभ कर दिया है इसके अंतर्गत सरकार ने एजुकेशन पॉलिसी में काफी सारे बदलाव किए हैं नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के अंतर्गत भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाना है और मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय शिक्षा मंत्रालय के नाम से जाना जाएगा। अभी तक सभी स्कूलों में 10+2 का पैटर्न फॉलो किया जाता था। परंतु अब नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5+3 +3+4 का पैटर्न फॉलो किया जाएगा। नई शिक्षा प्रणाली 5+3+3+4 शिक्षा प्रणाली का पालन करेगी जहां छात्र अपनी नींव को मजबूत करने में 5 साल, तैयारी चरण में 3 साल, मध्य चरण में 3 साल और बाकी समय माध्यमिक चरण में 4 वर्ष बिताऐगे।

मूलभूत चरण के 5 वर्ष

उम्र के लिएः 3 से 8 वर्ष

कक्षाओं के लिएः आंगनवाड़ी या प्री–स्कूल, कक्षा 1 और कक्षा 2

फोकसः खेल और गतिविधि–आधारित शिक्षण पद्धति, और भाषा कौशल का विकास।

बुनियादी चरण 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए पांच साल का होगा और आंगनवाड़ी,प्री–स्कूल, कक्षा 1 और कक्षा 2 के लिए होगा। इसके अलावा, मंच लचीले, बहुस्तरीय, खेल, गतिविधि–आधारित शिक्षा और पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र पर जोर देगा। प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई)।

प्रारंभिक चरण के 3 वर्ष

उम्र के लिएः 8 से 11 वर्ष

कक्षा 3 से कक्षा 5 के लिए

फोकसः भाषा और संख्यात्मक कौशल विकसित करें। खेल और गतिविधि–आधारित टीचिंग पद्धति। इसमें कक्षा में बातचीत, पढ़ना, लिखना, बोलना, शारीरिक शिक्षा, कला आदि भी शामिल हैं।

कक्षा 1 और 2 के लिए 8 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए तैयारी चरण तीन साल का होगाय यह गतिविधि और खेल–आधारित शैक्षणिक तरीकों पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही, इसमें विभिन्न विषयों पर ठोस आधार तैयार करने के लिए इंटरैक्टिव कक्षा शिक्षण भी शामिल होगा। इसके अलावा, यह पढ़ने, लिखने, बोलने, शारीरिक शिक्षा, कला, भाषा, विज्ञान और गणित पर ध्यान केंद्रित करेगा।

मध्य चरण के 3 वर्ष

उम्र के लिएः 11 से 14 वर्ष

कक्षाओं के लिएः कक्षा 6 से कक्षा 8 तक

फोकसः महत्वपूर्ण शिक्षण उद्देश्य, विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी आदि में अनुभवात्मक शिक्षा।

मध्य चरण 11 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए तीन साल का होगा, जिसमें कक्षा 6 से 8 तक की पढ़ाई शामिल होगी और इसमें विभिन्न विषयों में अमूर्त विषयों का परिचय शामिल होगा। इसके अलावा, स्कूली शिक्षा के इस चरण में विज्ञान, गणित, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, कला आदि में अनुभवात्मक शिक्षा शामिल होगी।

माध्यमिक चरण के 4 वर्ष

आयु के लिएः 14 से 18 वर्ष

कक्षाओं के लिएः कक्षा 9 से कक्षा 12 तक

फोकसः बहु–विषयक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच, लचीलापन और विषयों की पसंद का विकास करना।

नई स्कूली शिक्षा संरचना का अंतिम चरण माध्यमिक चरण है, जिसे दो चरणों में कवर किया जाएगा। कक्षा 9 और 10 और 11 और 12 इसके अलावा, इस चरण में अधिक आलोचनात्मक सोच, लचीलेपन और पसंद पर ध्यान देने के साथ बहु–विषयक शिक्षा शामिल होगी।

नई शिक्षा नीति के फायदेः–

1. सरकार का लक्ष्य एनईपी 2020 की मदद से सभी को स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराना है।
2. इस नए तरीके से लगभग दो करोड़ स्कूली छात्र शिक्षण संस्थानों में वापस आ सकेंगे।

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, 5+3+3+4 संरचना मौजूदा 10+2 संरचना का स्थान लेगी। यह संरचना छात्र के सीखने के प्रारंभिक वर्षों पर केंद्रित है। यह 5+3+3+4 संरचना 3 से 8, 8 से 11, 11 से 14 और 14 से 18 की आयु से मेल खाती है। 12 साल की स्कूली शिक्षा, 3 साल अगर आंगनवाड़ी और प्री–स्कूलिंग को इस संरचना में शामिल किया जाता है।

4. 8 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढांचा एनसीईआरटी द्वारा डिजाइन और विकसित किया जाएगा।

5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित करना है। कक्षा तीन तक सभी छात्रों के लिए संख्यात्मकता और साक्षरता की नींव को प्राप्त करने के सफल कार्यान्वयन की जिम्मेदारी भारत के राज्यों पर आती है। यह कार्यान्वयन 2025 तक किया जाना निर्धारित है।

6. NEP 2020 की खूबियों में से एक भारत में राष्ट्रीय पुस्तक प्रचार नीति का गठन है।

7. उपयुक्त अधिकारी ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए स्कूल परीक्षा आयोजित करेंगे। ग्रेड 10 और 12 के लिए बोर्ड परीक्षा जारी रहेगी लेकिन NEP- 2020 का उद्देश्य समग्र विकास के साथ संरचना को फिर से डिजाइन करना है।

8. परख राष्ट्रीय शिक्षा नीति सरकार द्वारा स्थापित की जानी है।

9. भारत के प्रत्येक राज्यधजिले में विशेष डे–टाइम बोर्डिंग स्कूल ''बाल भवन'' स्थापित किए जाएंगे। इस बोर्डिंग स्कूल का उपयोग खेल, करियर, कला से जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी के लिए किया जाएगा।

10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना की जाएगी। छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट को संग्रहीत किया जा सकता है और जब अंतिम डिग्री पूरी हो जाती है, तो उन्हें गिना जा सकता है।

11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, देश में IIT और IIM के समकक्ष बहु–विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इन्हें बहु–विषयक अकादमिक शुरू करने के लिए स्थापित किया जाना निर्धारित है।

12. सार्वजनिक और निजी शैक्षणिक निकायों दोनों के मार्गदर्शन के लिए मान्यता और विनियमन नियमों की एक ही सूची का उपयोग किया जाएगा।

13. चरणबद्ध तरीके से कॉलेज संबद्धता और कॉलेजों को स्वायत्तता प्रदान की जाएगी।

14. वर्ष 2030 तक अध्यापन के व्यवसाय से जुड़ने के लिए कम से कम चार वर्षीय बी. एड डिग्री होना अनिवार्य होगा।

15. छात्रों को भविष्य में महामारी की स्थिति के लिए तैयार करने के लिए ऑनलाइन शैक्षणिक को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा।

नई शिक्षा नीति के नुकसानः–

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में, भाषा एक नकारात्मक कारक है क्योंकि भारत में शिक्षक और छात्र अनुपात में समस्या है, इस प्रकार शैक्षणिक संस्थानों में प्रत्येक विषय के लिए मातृभाषा शुरू करना एक समस्या है। कभी–कभी एक सक्षम शिक्षक को ढूंढना एक समस्या बन जाता है और अब एक और चुनौती एनईपी 2020 की शुरुआत के साथ आती है, जो मातृ भाषाओं में अध्ययन सामग्री ला रही है।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, स्नातक पूरा करने के इच्छुक छात्रों को चार साल तक अध्ययन करना होता है, जबकि कोई भी दो साल में आसानी से अपनी डिप्लोमा की डिग्री पूरी कर सकता है। यह छात्र को पाठ्यक्रम बीच में छोड़ने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार निजी स्कूलों के छात्रों को सरकारी स्कूलों के छात्रों की तुलना में बहुत पहले की उम्र में अंग्रेजी से परिचित कराया जाएगा। शैक्षणिक पाठ्यक्रम सरकारी स्कूल के छात्रों की संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाया जाएगा। यह नई शिक्षा नीति की प्रमुख कमियों में से एक है क्योंकि इससे अंग्रेजी में संचार करने में असहज छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी और इस प्रकार समाज के वर्गों के बीच की खाई को चौड़ा किया जा सकेगा।

नई शिक्षा नीति 30 वर्षों के बाद आई और भारत की मौजूदा शैक्षणिक प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक स्तर के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत सरकार का लक्ष्य वर्ष 2040 तक एनईपी की स्थापना करना है। लक्षित वर्ष तक, योजना के मुख्य बिंदु को एक–एक करके लागू किया जाना है। NEP द्वारा प्रस्तावित सुधार केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से लागू होगा। कार्यान्वयन रणनीति पर चर्चा करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तर के मंत्रालयों के साथ भारत सरकार द्वारा विषयवार समितियों का गठन किया जाएगा।

नई शिक्षा नीति की शुरुआत के साथ, कई बदलाव किए गए हैं और उनमें से एक एम.फिल कोर्स को बंद करना है। हर चीज के दो पहलू होते हैं एक अच्छा और दूसरा बुरा।

इसी प्रकार नई शिक्षा नीति के भी दोनों तरह के पहलू हैं. सबका अपना–अपना नजरिया है क्योंकि हर इंसान का नजरिया अलग होता है . पर ज्यादातर लोगों की अगर राय ली गई इस पर तो इसको अच्छा मानने वाले लोग ज्यादा है अभी नई शिक्षा नीति ज्यादा लोगों को पसंद आ रही है । क्योंकि आजकल पढ़ाई का बोझ ज्यादा बढ़ रहा था। इसके कारण बच्चे तनाव में आ रहे थे तो इस शिक्षा नीति को अपनाना बच्चों के लिए बहुत ही राहत का कदम है। यह सरकार की तरफ से बच्चो कै लिए बहुत ही सराहनीय कदम है। यह शिक्षा नीति भारत को एक नए मुकाम पर ले जाएगी।

***सहायक आचार्य**
उर्दू विभाग
शहीद कैप्टेन रिपुदमन सिंह राजकीय महाविद्यालय
सवाई माधोपुर (राज.)

संदर्भ

1. India] Ministry of Education https%//www-education-gov-in › ---PDF
   राष्ट्रीय शिक्षा नीशि 2020.
2. sarkariyojana-com https%//sarkariyojana-com › new&nati---
   New National Education Policy (NEP) 2020 PDF ---
3. RajasthanGyan https%//www-rajasthangyan-com › बिज
   राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.
4. शिक्षा प्रणाली नई शैक्षणिक संरचना 5 + 3 + 3 + 4 एनईपी 2020.